

हमारी अपील है कि ओवैसी जेड सिक्योरिटी लें: अमित शाह

नई दिल्ली ■ एजेंसियां/डेस्क सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर यूपी के हापुड़ जिले में हुए हमले को लेकर अमित शाह ने विस्तार से जानकारी दी है। अमित शाह ने कहा कि ओवैसी को खतरे की एक बार फिर से समीक्षा की गई है। उन्हें बुलेटप्रूफ कार और जेड कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। लेकिन उन्होंने इस सिक्योरिटी को लेने से इनकार कर दिया है। हमारी अपील है कि इस सुरक्षा को ले लें। अमित शाह ने कहा, 'ओवैसी को खतरे की पुनर्समीक्षा की गई है। उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी दी गई है और जेड कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। अब तक उन्होंने इस सुरक्षा को स्वीकार नहीं किया है। हमारी अपील है कि वे इसे ले लें।

अमित शाह ने कहा कि ओवैसी पर हुए हमले की होम मिनिस्ट्री ने



तत्काल राज्य सरकार से रिपोर्ट ली थी। शुरुआती इनपुट्स के मुताबिक उन्हें केंद्र सरकार की ओर से सुरक्षा दी गई थी। लेकिन उनके इनकार के चलते दिल्ली और तेलंगाना पुलिस की ओर से उन्हें सुरक्षा देने का मकसद पूरा नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद तत्काल एक्शन लिया गया और दो आरोपियों को अरेस्ट किया गया। इन लोगों के पास से दो अवैध पिस्तौल बरामद की गई हैं। एक ऑल्टो कार भी मिली है। फॉरेंसिक टीम की ओर से कार और

घटनास्थल की जांच की गई है। सभी सबूतों को कलेक्ट कर लिया गया है होम मिनिस्टर ने लोकसभा में घटना की जानकारी देते हुए कहा कि हापुड़ में ओवैसी का कोई पहले से तय कार्यक्रम नहीं था। उनकी मूवमेंट के बारे में जिला कंट्रोल रूम को कोई जानकारी नहीं दी गई थी। इस घटना के बाद वह सुरक्षित दिल्ली पहुंच गए। उन्होंने कहा कि दोनों अभियुक्तों से उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है और जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में और सामान्य है तथा वहां कड़ी सर्तकता भी बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि घटनाक्रम के संदर्भ में केंद्र सरकार को राज्य सरकार की ओर से एक रिपोर्ट भी प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार शाम ओवैसी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के

महेंजर प्रचार करने के बाद जब दिल्ली लौट रहे थे तभी हापुड़ के छिजारसी टोल के पास उनके काफिले पर हमला हो गया था।

मुझे अपने चारों ओर हथियार वाले लोग पसंद नहीं: ओवैसी

हैदराबाद से एआइएमआइएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सोमवार को संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुझे से जेड श्रेणी की सुरक्षा स्वीकार करने को कहा। मैं गृहमंत्री से कहना चाहता हूँ कि मेरे जीवन की कीमत सीएफ के विरोध में मारे गए 22 लोगों से ज्यादा नहीं है। मुझे अपने चारों ओर हथियार वाले लोग पसंद नहीं हैं, मैं एक स्वतंत्र पक्षी हूँ, स्वतंत्र रूप से रहना चाहता हूँ।



सोनिया गांधी का संदेश और राहुल की चादर लेकर इमरान प्रतापगढ़ी अजमेर पहुंचे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का संदेश और सांसद राहुल गांधी की भेजी हुई चादर लेकर सोमवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी अजमेर दरगाह पहुंचे। उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, महासचिव और पार्टी के राज्य प्रभारी अजय माकन भी थे। इस मौके पर दरगाह के आंगन में कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने सोनिया गांधी के संदेश को पढ़कर सुनाया और मुल्क की खुशहाली, तरक्की और अमन शांति के लिए दुआएं कीं। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटसरा, कैबिनेट मंत्री सालेह मुहम्मद, वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानु खान, विधायक हाकिम अली, राजस्थान अल्पसंख्यक चेयरमैन आबिद कागाजी और समाजसेवी मोहम्मद चोपदार ने चादर की अगवानी की।

अखिलेश सरकार में महिलाओं का अपमान होता था: स्मृति ईरानी

गौतमबुद्धनगर ■ एजेंसियां/डेस्क भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उत्तर प्रदेश में सपा के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए आने पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि इससे अखिलेश यादव की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि उन्हें समर्थन के लिए ममता को बुलाना पड़ रहा है।

ईरानी ने कहा कि ममता ने उत्तर-प्रदेश की जनता का अपमान किया था। प्रदेश की जनता को जलील किया था, लेकिन आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव उन्हीं को अपने यहां बुलाकर समर्थन मांग रहे हैं। आखिरकार अखिलेश की ऐसी



क्या मजबूरी है कि ममता को बुलाना पड़ रहा है। जय श्रीराम बोलने वाले रामभक्तों को सपा सरकार के दौरान मीत के घाट उतार दिया गया था। ममता भी राम का नाम लेने वालों को जेल में टुंस देती है।

केंद्रीय मंत्री ईरानी ने कहा कि अखिलेश सरकार में महिलाओं का

अपमान होता था। बहन की इज्जत से खिलवाड़ करने वालों का विरोध करने वाले भाइयों की हत्या कर दी जाती थी। उन्होंने कहा कि सपा और तृणमूल सरकार रामभक्तों पर हमला बोलने वाली सरकारें हैं। स्मृति ने जेवर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र सिंह को भारी मतों से जिताने की अपील की।

मेरी लाठियों का हिसाब करने का वक्त आ गया: जयंत चौधरी

बागपत। बागपत जिले के डिकोली गांव पहुंचे जयंत चौधरी ने जाटों के बोट बैठकर लाठियों का हिसाब करने को कहा है। उन्होंने कहा कि बाबा ने उन पर लाठियां चलवाईं, क्या वह बदमाश थे? उन्होंने कहा कि चौधरी अजित की विरासत बचाने का काम करें, उनकी सरकार बनते ही भतियां खोली जायेंगी। युवा को नौकरी दी जायेगी महिलाओं को वरीयता दी जायेगी।

डिकोली गांव में सोमवार को एमजीएम इन्टर कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय लोकदल की जनसभा आयोजित की गयी थी। जिसमें बोलते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि बाबा ने उनपर लाठियां चलवाईं, क्या वह बदमाश थे? अब एक एक लाठी का हिसाब करने का वक्त आ गया है। सभी एक जुट होकर लोकदल प्रत्याशी को जिताने का काम करें।

चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास पर जोर दे सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली ■ एजेंसियां/डेस्क राज्यसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सार्वजनिक संस्थानों को बेचकर घाटे को पूरा नहीं किया जा सकता। शर्मा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जारी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि देश के सामने मौजूद हर तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया जाना चाहिए।

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता आनंद शर्मा ने राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश का समूचा परिदृश्य परिलक्षित न होने का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्र के समक्ष मौजूद चुनौतियों, संकटों का पूरा व्योरा और इनसे निपटने के लिए रणनीति और योजनाओं का स्पष्ट उल्लेख किया जाना चाहिए, किंतु अभिभाषण में इसकी कोई चर्चा नहीं



है। उन्होंने कहा कि अभिभाषण में केवल पिछली योजनाओं की ही चर्चा की गई।

शर्मा ने कहा कि समाज में अमीर-गरीब के बीच की खाई चौड़ी होती जा रही और देश आर्थिक रूप से पिछड़ रहा है। देश की सीमाओं

पर तनाव है और समाज में कड़ुरवाद बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार को इन सभी चुनौतियों और संकटों को स्वीकार करना चाहिए इनसे निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर देना चाहिए।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने हिजाब पहनने से रोकने पर आपत्ति जताई

बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह ने छात्राओं के संवैधानिक अधिकारों का हनन बताया

नई दिल्ली ■ एजेंसियां/डेस्क ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कर्नाटक में कुछ स्कूल और कालेजों में मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से मना किए जाने के फैसले पर कड़ी आपत्ति की है। बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा है कि कर्नाटक दक्षिण भारत का एक ऐसा राज्य है जहां पर हमेशा से लोग मिल जुल कर रहते चले आए हैं लेकिन आजकल वहां पर भी कुछ ताकतें धार्मिक उन्माद पैदा करके लोगों के बीच नफरत फैलाने में जुटी हुई हैं। हिजाब पहनना मुस्लिम महिलाओं का अधिकार है और संविधान भी उन्हें इसकी इजाजत देता है।

मौलाना रहमानी ने कहा है कि हमारे देश में विभिन्न धर्मों जातियों और संप्रदायों के लोग रहते हैं। उनकी अलग-अलग परंपराएं, रीति रिवाज आदि को मनाने की छूट हमारे संविधान ने प्रदान की है। कर्नाटक में कुछ सरकारी स्कूल कॉलेजों में हाल के दिनों में मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनकर आने पर पाबंदी लगाने का मामला सामने आया है। मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनकर स्कूल में आने से कोई भी कानून उन्हे रोक नहीं सकता है। उनका कहना है कि सभी को धार्मिक



स्वतंत्रता प्राप्त है और कोई भी व्यक्ति अपने धर्म के अनुसार लिबास (वस्त्र) धारण कर सकता है। कर्नाटक सरकार को इस मामले पर कड़ा रुख अपनाना चाहिए और इस तरह की पाबंदी लगाए जाने वाले कॉलेज स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को किसी धर्म विशेष के रीति रिवाज और वस्त्र आदि धारण करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है और

ना ही ऐसे व्यक्तियों को अपने धर्म में दी गई इजाजत को त्यागने पर मजबूर किया जा सकता है। उनका कहना है कि वस्त्र आदि पहनना आदमी की स्वेच्छिक स्वतंत्रता का मामला है, उसे किसी भी तरह से मजबूर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कर्नाटक सरकार से मांग की है कि वह इस मामले को गंभीरता से लें और जो छात्राएं हिजाब पहनकर स्कूल आना चाहती हैं, उन्हें किसी भी तरह से रोकने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए।

जयशंकर ने की श्रीलंका के विदेश मंत्री से द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तार से चर्चा

नई दिल्ली ■ एजेंसियां/डेस्क विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को श्रीलंका के अपने समकक्ष जीएल पीरिस के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। पीरिस तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को दिल्ली पहुंचे थे। मुलाकात और चर्चा के बारे में जानकारी देते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट कर बताया कि श्रीलंकाई विदेश मंत्री जीएल पीरिस के साथ बेहद उपयोगी बातचीत रही। श्रीलंका को मजबूत करने से

जुड़ी आर्थिक और निवेश पहल पर चर्चा हुई। श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त कदमों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने आगे बताया कि भारत ने मछुआरों के मुद्दे पर पड़ोसी श्रीलंका से विचारों का आदान-प्रदान किया और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि द्विपक्षीय तंत्रों की जल्द बैठक होनी चाहिए। इस बात को स्वीकार किया गया कि आर्थिक सुधार के लिए अधिक पेटेंट का बड़ा महत्व है। साथ ही

बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पी2पी लिंकेज के महत्व को भी रेखांकित किया। जयशंकर ने कहा कि दोनों देश अपनी स्वतंत्रता और राजनयिक संबंधों के 75वें वर्ष को उपयुक्त तरीके से चिह्नित करेंगे। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका गंभीर विदेशी मुद्रा और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। हाल ही में कोलंबो को भारत की ओर से 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता दी गई है।

JAIN TUBE COMPANY LIMITED
(CIN NO. L25111DL1964PLC004235)
Regd. Office : B- 292, OFFICE No. 202, Second Floor, Chandra Kantia Complex, New Ashok Nagar, Delhi-110096
E-Mail ID - jaintubesindia@gmail.com
Website - www.jaintubes.in
Mobile: 7428860315

NOTICE
Notice is hereby given in terms of Regulation 29 read with Regulation 47 of SEBI (LODR) Regulations, 2015, the meeting of the Board of Directors of the Company will be held at Delhi, on Monday, 14th February, 2022 to consider and approve the Unaudited Financial Results of the Company for the Quarter and Nine months ended 31st December, 2021. This notice is also available on the website of the Company and Stock Exchange where the equity shares of the Company are listed viz. www.jaintubes.in and www.cse-india.com respectively.

For Jain Tube Company Limited Sd/-
Place : New Delhi Sushil Jain
Dated : 07.02.2022 Director

कोरोना टीकाकरण के लिए सिर्फ आधार अनिवार्य नहीं: सुप्रीम कोर्ट



नई दिल्ली ■ एजेंसियां/डेस्क सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना टीकाकरण के लिए सिर्फ आधार को पहचान पत्र मानने को चुनौती देने वाली याचिका को निस्तारित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की दलील को माना कि आधार अनिवार्य नहीं है, क्योंकि नौ तरह के पहचान पत्र पोर्टल पर स्वीकार होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने को कहा कि आधार कार्ड न होने के चलते कोई टीका पाने से वंचित न हो।

केंद्र सरकार ने 3 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि अभी तक बिना पहचान पत्र वाले 77 लाख लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है। 14 लाख लोगों को दूसरी डोज भी दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 जुलाई, 2021 को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि भिक्षावृत्ति की वजह गरीबी है। हमें इस पर मानवीय रवेया अपनाने की जरूरत है।

यह याचिका कुश कालरा ने दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील चिन्मय शर्मा ने मांग की कि सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और लाल बत्तियों पर से भिखारियों को हटाने का दिशा-निर्देश जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के दौरान भीख मांगने वालों को लाल बत्तियों और बाजारों में भीख मांगने से रोका जाए, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ता है। याचिका में भिखारियों के पुनर्वास की मांग की गई है।

लता मंगेशकर की अस्थियां भतीजे आदि मंगेशकर को सौंपी गईं

शिवाजी पार्क में लता दीदी को आज भी आम नागरिक कर रहे हैं नमन

मुंबई ■ एजेंसियां/डेस्क स्वर कौकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के भतीजे आदि मंगेशकर ने सोमवार को सुबह शिवाजी पार्क मैदान पर जाकर लता दीदी की अस्थियों को एकत्रित किया। इसके बाद लता दीदी की अस्थियां पेडर रोड स्थित उनके आवास प्रभु कुंज पर लाई गईं। लता दीदी की अस्थियों को विसर्जित किए जाने का निर्णय अभी तक नहीं लिया गया है। आम नागरिक सोमवार को भी शिवाजी पार्क पहुंचकर लता दीदी को श्रद्धापूर्वक नमन कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों से सोमवार को सुबह से लता दीदी के प्रशंसक शिवाजी पार्क पहुंचकर लता दीदी



की तस्वीर को नमन कर रहे हैं। शिवसेना सचिव मिलिंद नावेंकर सोमवार को सुबह शिवाजी पार्क पर पहुंचे। इसके बाद मुंबई

नगर निगम के कर्मियों ने शिवाजी पार्क में लता दीदी के अस्थियों को संकलित करना शुरू किया। लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर बेटे आदि मंगेशकर को मिलिंद नावेंकर ने लता दीदी की अस्थियां सौंपी।

शिवाजी पार्क में रविवार को लता दीदी का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया था और उस समय प्रधानमंत्री उपस्थित थे। इसी वजह से प्रोटोकाल की वजह से अंतिम संस्कार में आम लोगों को उपस्थित नहीं होने दिया गया था। इसी वजह आज भी शिवाजी पार्क मैदान पर लता दीदी के प्रशंसकों की भीड़ लगी हुई है।

त्रिपुरा में दो भाजपा विधायकों ने पार्टी छोड़ी, थाम सकते हैं कांग्रेस का दामन

अगरतला ■ एजेंसियां/डेस्क पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में दो भाजपा विधायकों सुदीप रॉय बर्मन और आशीष कुमार साहा ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर पार्टी से किनारा कर लिया है। दोनों ही नेता इस्तीफा देने के बाद दिल्ली जा रहे हैं। इन दोनों ही नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

दिल्ली में आकर दोनों नेता कांग्रेस की सदस्यता ले सकते हैं। कहा जा रहा है कि दोनों 10 फरवरी को कांग्रेस में शामिल होंगे। आशीष कुमार साहा ने भाजपा से पहले ही इस्तीफा दे दिया था, लेकिन आज उन्होंने विधायकी भी छोड़ दी। पिछले सप्ताह ही सुदीप रॉय बर्मन ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा

था कि राज्य में लोकतंत्र नहीं रहा गया है। लोग घुटन में जी रहे हैं। बर्मन ने कहा था, 'राज्य में लोकतंत्र खत्म हो गया है। लोकतंत्र नाम की ऑक्सिजन को छीन लिया गया है और लोग ऐसे माहौल में घुटन महसूस कर रहे हैं।' तब भाजपा ने कहा था कि उसकी बर्मन पर नजर है और जल्दी ही उचित एक्शन उन पर लिया जाएगा।

